Dr. Kumari Priyanka

Department of history

H.D jain college ara

Notes for B.A part 3

Topic :- फिरोज शाह तुगलक का संक्षिप्त परिचय दें

फिरोज शाह तुगलक (1351-1388 ई.) तुगलक वंश का तीसरा सुल्तान था। वह गयासुद्दीन तुगलक का भतीजा और मुहम्मद बिन तुगलक का चचेरा भाई था।

मुख्य विशेषताएँ:

1. **शासनकाल (1351-1388 ई.)**- उसने 37 वर्षों तक शासन किया और एक स्थायी एवं स्थिर प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित करने का प्रयास किया।
2. **प्रशासनिक सुधार**- उसने करों को घटाया, कृषि सुधार किए और सिंचाई व्यवस्था को मजबूत किया।
3. **सार्वजनिक निर्माण कार्य**- फिरोज शाह ने कई नहरों का निर्माण करवाया, नई बस्तियाँ बसाईं (जैसे फिरोजाबाद), और कुतुब मीनार की मरम्मत करवाई।
4. **धार्मिक नीति**- वह कट्टर सुन्नी मुस्लिम था और इस्लामिक सिद्धांतों के अनुसार शासन करता था। उसने जज़िया कर को कठोरता से लागू किया।
5. **गुलाम प्रथा**- उसने बड़ी संख्या में गुलामों (बंदगान,-ए-दग) को संगठित कर प्रशासन में शामिल किया।
6. **विद्रोहों का दमन**- उसने बंगाल, गुजरात और सिंध में विद्रोहों को दबाया, लेकिन वह मुहम्मद बिन तुगलक की तरह अधिक आक्रामक नहीं था।
7. **सांस्कृतिक योगदान**- उसने कई मदरसों और पुस्तकालयों की स्थापना की और संस्कृत ग्रंथों का फारसी में अनुवाद करवाया।
8. **उत्तराधिकारी समस्या**- उसके बाद तुगलक वंश कमजोर पड़ गया और अंततः 1398 में तैमूर के आक्रमण के कारण दिल्ली सल्तनत संकट में आ गई।

फिरोज शाह तुगलक का शासन तुलनात्मक रूप से स्थिर था, लेकिन उसकी रूढ़िवादी नीतियों के कारण तुगलक वंश की शक्ति धीरे-धीरे कम होती गई।